ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शनिवार 03 अक्टूबर 2026

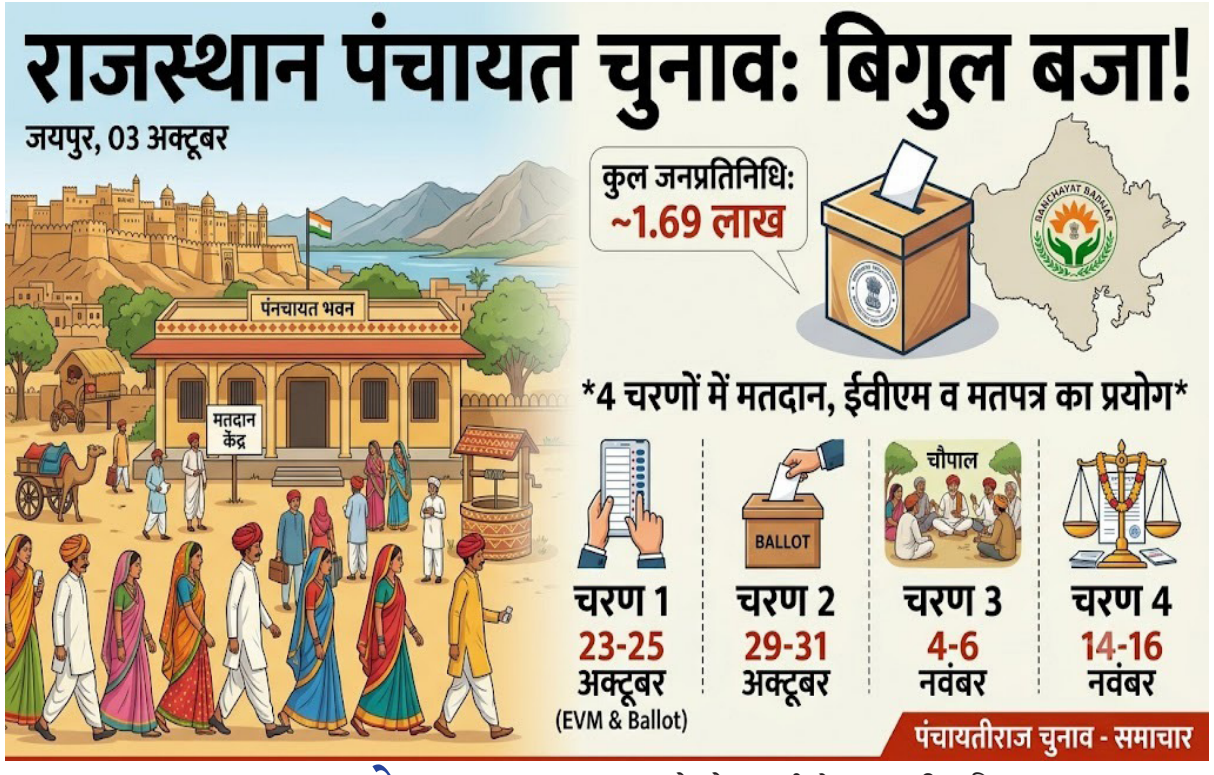
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 157

पृष्ठ 4

उदयपुर में 3 चरणों में पंचायतीराज चुनाव:

23 अक्टूबर से मतदान, 20 नवंबर को आएगा जिला परिषद-पंचायत समिति का रिजल्ट; 25 अक्टूबर से पंच-सरपंच की बारी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान में पंचायतीराज चुनाव 2026 का कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही उदयपुर के ग्रामीण इलाकों में चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। जिले में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव तीन चरणों में होंगे। पहला मतदान 23 अक्टूबर, दूसरा 29 अक्टूबर और तीसरा चरण 4 नवंबर को होगा। वहीं पंच और सरपंच के चुनाव क्रमश: 25 अक्टूबर, 31 अक्टूबर और 6 नवंबर को कराए जाएंगे। जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव ईवीएम से, जबकि पंच-सरपंच के चुनाव बैलेट पेपर से होंगे। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित ग्रामीण क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। पंचायत चुनाव के तहत जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव की मतगणना 20 नवंबर को सुबह 8 बजे से होगी। इसके बाद जिला प्रमुख, उप जिला प्रमुख, प्रधान और उप प्रधान के चुनाव की प्रक्रिया नवंबर के आखिरी सप्ताह में पूरी होगी।

उदयपुर में 47 जिला परिषद वार्ड, 318 पंचायत समिति सदस्य

इस बार उदयपुर जिला परिषद में वार्डों की संख्या बढ़कर 47 हो गई है। पिछले चुनाव में जिला परिषद के 43 सदस्य चुने गए थे। जिले में पंचायत समिति के कुल 318 वार्ड हैं। जिला परिषद क्षेत्र में कुल 13,79,747 मतदाता हैं। इनमें 7,04,295 पुरुष, 6,75,447 महिला और 5 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। जिला प्रमुख का पद इस बार अनारक्षित ओपन रखा गया है। पिछले कार्यकाल में जिला प्रमुख का पद अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित था।

किस चरण में किस पंचायत समिति में चुनाव?

पहला चरण — 23 अक्टूबर: झाड़ोल, फलासिया, ओगणा, गिर्वा, नाई, मावली, घासा, वल्लभनगर, भींडर और कुराबड़ में जिला परिषद-पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव होंगे। इन क्षेत्रों में पंच-सरपंच का मतदान 25 अक्टूबर को होगा।

दूसरा चरण — 29 अक्टूबर: गोगुंदा, सायरा, बड़गांव, कोटड़ा, देवला और सुलाव में जिला परिषद-पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव होंगे। यहां पंच-सरपंच का मतदान 31 अक्टूबर को होगा।

तीसरा चरण — 4 नवंबर: खेरवाड़ा, नयागांव, ऋषभदेव और कल्याणपुर में जिला परिषद-पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव होंगे। इन पंचायत समितियों में पंच-सरपंच का मतदान 6 नवंबर को होगा।

8 अक्टूबर से शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया

पहले चरण के लिए अधिसूचना 8 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन की अंतिम तारीख 13 अक्टूबर रहेगी। 14 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 15 अक्टूबर को नाम वापसी की अंतिम तारीख रहेगी। इसी दिन चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। दूसरे चरण की अधिसूचना 13 अक्टूबर को, नामांकन की अंतिम तारीख 16 अक्टूबर, जांच 17 अक्टूबर और नाम वापसी व चुनाव चिन्ह आवंटन 19 अक्टूबर को होगा। तीसरे चरण की अधिसूचना 19 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन 23 अक्टूबर तक दाखिल किए जा सकेंगे। 24 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी तथा 26 अक्टूबर को नाम वापसी और चुनाव चिन्ह आवंटन होगा।

पंच-सरपंच के लिए अलग कार्यक्रम

पंच और सरपंच के चुनाव के लिए पहले चरण की अधिसूचना 8 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन 24 अक्टूबर तक होंगे और 25 अक्टूबर को मतदान तथा मतगणना होगी। उपसरपंच का चुनाव 26 अक्टूबर को होगा। दूसरे चरण में अधिसूचना 13 अक्टूबर को, नामांकन की अंतिम तारीख 30 अक्टूबर, मतदान व मतगणना 31 अक्टूबर और उपसरपंच का चुनाव 1 नवंबर को होगा। तीसरे चरण में अधिसूचना 19 अक्टूबर को, नामांकन की अंतिम तारीख 5 नवंबर, मतदान व मतगणना 6 नवंबर और उपसरपंच का चुनाव 7 नवंबर को होगा। 20 नवंबर को जिला परिषद-पंचायत समिति की मतगणना जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए तीनों चरणों का मतदान पूरा होने के बाद 20 नवंबर को सुबह 8 बजे से मतगणना होगी। इसके बाद जिला प्रमुख और प्रधान पदों के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी।

25 नवंबर: जिला प्रमुख का चुनाव
26 नवंबर: उप जिला प्रमुख का चुनाव
27 नवंबर: पंचायत समिति प्रधान का चुनाव
28 नवंबर: उप प्रधान का चुनाव

जिला प्रमुख, उप जिला प्रमुख, प्रधान और उप प्रधान के चुनाव में बैठक सुबह 10 बजे होगी। नामांकन सुबह 11 बजे तक, नामांकन पत्रों की जांच 11:30 बजे, नाम वापसी दोपहर 1 बजे तक और इसके तुरंत बाद चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। आवश्यकता होने पर मतदान दोपहर 3 से 5 बजे तक होगा और मतगणना मतदान के तुरंत बाद की जाएगी।

20 पंचायत समितियों में 590 ग्राम पंचायतें

उदयपुर जिले में कुल 20 पंचायत समितियां और 590 ग्राम पंचायतें हैं। सबसे ज्यादा 39 ग्राम पंचायतें गोगुंदा पंचायत समिति में हैं। कोटड़ा और खेरवाड़ा में 36-36, फलासिया और सायरा में 35-35 तथा झाड़ोल में 34 ग्राम पंचायतें हैं। ऋषभदेव में 30, ओगणा में 24, कल्याणपुर में 20, कुराबड़ में 29, गिर्वा में 27, घासा में 26, देवला में 26, नयागांव में 31, नाई में 20, बड़गांव में 30, भींडर में 32, मावली में 29, वल्लभनगर में 28 और सुलाव में 23 ग्राम पंचायतें हैं।

20 पंचायत समितियों में प्रधान पदों का आरक्षण

उदयपुर जिले की 20 पंचायत समितियों के प्रधान पदों में 7 पद एसटी महिला, 8 एसटी ओपन, 1 एससी ओपन, 1 अनारक्षित ओपन और 3 अनारक्षित महिला श्रेणी के लिए आरक्षित हैं। इस आरक्षण के चलते ग्रामीण चुनावों में पंचायत समिति स्तर पर दावेदारों की तस्वीर काफी हद तक स्पष्ट हो गई है। अब राजनीतिक दलों के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे दावेदार सक्रिय हो गए हैं।

एक नजर में उदयपुर पंचायतीराज चुनाव 2026

जिला परिषद वार्ड: 47
पंचायत समिति वार्ड: 318
पंचायत समितियां: 20
ग्राम पंचायतें: 590
कुल मतदाता: 13,79,747
पुरुष मतदाता: 7,04,295
महिला मतदाता: 6,75,447
थर्ड जेंडर: 5
जिला परिषद-पंचायत समिति मतदान: 23 अक्टूबर, 29 अक्टूबर, 4 नवंबर
पंच-सरपंच मतदान: 25 अक्टूबर, 31 अक्टूबर, 6 नवंबर
जिला परिषद-पंचायत समिति मतगणना: 20 नवंबर
जिला प्रमुख चुनाव: 25 नवंबर
प्रधान चुनाव: 27 नवंबर
महिलाओं के लिए आरक्षण: 50 प्रतिशत

शस्त्र जमा कराने के आदेश

उदयपुर, 03 अक्टूबर। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट गौरव अग्रवाल ने पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 को शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त माहौल में संपन्न कराने के लिए एक महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए जिले की विभिन्न पंचायत समितियों के क्षेत्रों में रहने वाले सभी शस्त्र लाइसेंस धारकों को अपने हथियार तुरंत जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

इन पंचायत समितियों में लागू होगा आदेश

यह आदेश उदयपुर जिले की गिर्वा, कुराबड़, नाई, बड़गांव, गोगुंदा, सायरा, झाड़ोल, फलासिया, ओगणा, खेरवाड़ा, नयागांव, ऋषभदेव, कल्याणपुर, वल्लभनगर, भींडर, मावली, घासा, कोटड़ा, देवला और सुलाव पंचायत समिति क्षेत्रों में रहने वाले सभी शस्त्र धारकों पर प्रभावी होगा।

इन लोगों को मिलेगी छूट

बैंक सुरक्षाकर्मी, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), अर्द्धसैनिक बल, सैनिक बल, सशस्त्र पुलिस, सिविल डिफेंस और होमगार्ड्स आदि को छूट रहेगी। ऐसे राज्य एवं केंद्रीय अधिकारी या कर्मचारी जिन्हें कानून-व्यवस्था के तहत ड्यूटी पर हथियार रखने के लिए अधिकृत किया गया है उन्हें भी हथियार नहीं जमा कराने होंगे। जो लोग लंबे समय से राजस्थान से बाहर रह रहे हैं और चुनाव के दौरान राजस्थान आने की संभावना नहीं है, मंदिर, कंपनी, बैंक और ज्वेलरी शॉप आदि की सुरक्षा में लगे गार्ड, विभिन्न राइफल एसोसिएशन के सदस्य और स्पोर्ट्स पर्सन, जो राइफल एसोसिएशन के मेंबर होकर प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं, उन्हें भी छूट रहेगी। जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि उक्त आदेश की पालना न करने वाले शस्त्र धारकों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट, 1959 एवं आयुध नियम 2016 के प्रावधानों के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी स्वयं शस्त्र धारक की होगी।

24 न्यूज अपडेट



उदयपुर में जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया कि कुल मतदाता 13 लाख 79 हजार 999 है। जिला परिषद सदस्यों के नामांकन फार्म कलेक्टरेट में लिए जाएंगे। यहां तीन कक्ष तय किए गए हैं। इसके अलावा पंचायत समिति सदस्यों के फार्म पंस मुख्यालय पर ही लिए जाएंगे। सरपंचों व वार्ड पंचों के फार्म ग्राम पंचायत मुख्यालय पर लिए जाएंगे। उदयपुर में तीन चरणों में चुनाव होने जा रहे हैं। पंच व सरपंचों के वोट मतदान समाप्ति के बाद शुरू होगी व परिणाम घोषित होंगे। चुने हुए सदस्य जिला प्रमुख का चुनाव 25 नवंबर को व उप जिला प्रमुख का चुनाव 26 को, प्रधान का चुनाव 27 व उप प्रधान का 28 नवंबर को होगा।

भीलवाड़ा में दो चरणों में पंचायतीराज चुनाव

भीलवाड़ा जिले में पंचायतीराज चुनाव दो चरणों में होंगे। पहले चरण में कोटड़ी, जहाजपुर, खजूरी, मांडलगढ़, बिजोलिया, मांडल, करेड़ा, सुवाना और बनेड़ा तथा दूसरे चरण में रायपुर, सहाड़ा, शाहपुरा, फुलिया कला, आसींद, शंभूगढ़ और हुरड़ा में चुनाव होंगे। जिले में 16 पंचायत समितियों के 511 सरपंच और 4,581 वार्ड पंच चुने जाएंगे। कुल 14.42 लाख मतदाता हैं, जिनमें 7.20 लाख महिलाएं और 7.21 लाख पुरुष हैं। महिलाओं के लिए 50% आरक्षण है।

राजसमंद में दो चरणों में पंचायतीराज चुनाव

राजसमंद जिले में 29 जिला परिषद सदस्य, 161 पंचायत समिति सदस्य और 280 सरपंचों के चुनाव होंगे। पहले चरण में खमनोर, देलवाड़ा, आमेट, चारभुजा और कुंभलगढ़ की 133 ग्राम पंचायतों तथा दूसरे चरण में भीम, देवगढ़, राजसमंद और रेलमगरा की 147 ग्राम पंचायतों में मतदान होगा। जिला परिषद-पंचायत समिति सदस्यों के लिए 23 व 29 अक्टूबर और पंच-सरपंच के लिए 25 व 31 अक्टूबर को मतदान होगा। जिला प्रमुख का पद अनारक्षित ओपन है।

डूंगरपुर: 37 जिला परिषद और 234 पंचायत समिति वार्डों में होगा मतदान

डूंगरपुर जिले में पंचायतीराज चुनाव दो चरणों में होंगे। पहले चरण में सागवाड़ा, पाडवा, गलियाकोट, सीमलवाड़ा, झोंथरी, भंडारी और चिखली तथा दूसरे चरण में डूंगरपुर, पाल देवल, बिछीवाड़ा, गामड़ी अहाड़ा, साबला, आसपुर और दोवड़ा पंचायत समितियों में मतदान होगा। जिला परिषद के 37 और पंचायत समिति के 234 वार्डों के साथ 442 ग्राम पंचायतों में चुनाव होंगे। पहले चरण में 23 व 25 अक्टूबर और दूसरे चरण में 29 व 31 अक्टूबर को मतदान होगा। पंचायत समिति व जिला परिषद की मतगणना 20 नवंबर को होगी।

बांसवाड़ा में तीन चरणों में पंचायतीराज चुनाव: 16 पंचायत समितियां, 549 ग्राम पंचायतों में होगा मतदान

बांसवाड़ा में तीन चरणों में पंचायतीराज चुनाव: 16 पंचायत समितियां, 549 ग्राम पंचायतों में होगा मतदान

बांसवाड़ा जिले में पंचायतीराज चुनाव तीन चरणों में होंगे। पहले चरण के बाद दूसरे चरण में 29 अक्टूबर को घाटोल, गनोड़ा, छोटी सरवन और तलवाड़ा में जिला परिषद-पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान होगा। तीसरे चरण में 4 नवंबर को बागीदौरा, गांगड़तलाई, आनंदपुरी और नाहरपुरा तथा चौथे चरण में 14 नवंबर को कुशलगढ़, सज्जनगढ़, छोटी सरवा, छोटा डूंगरा, गढ़ी, सरेड़ी बड़ी, अरथुना और बांसवाड़ा में मतदान होगा। सरपंच-पंच के चुनाव क्रमश: 31 अक्टूबर, 6 नवंबर और 16 नवंबर को होंगे। इन तीन चरणों में कुल 549 ग्राम पंचायतें शामिल हैं।

प्रतापगढ़ में दो चरणों में पंचायतीराज चुनाव: 4 और 14 नवंबर को मतदान

प्रतापगढ़ में पंचायतीराज चुनाव दो चरणों में होंगे। जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्यों के लिए 4 और 14 नवंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा, जबकि मतगणना 20 नवंबर को होगी। सरपंच-पंच के लिए 6 और 16 नवंबर को मतदान होगा और मतगणना मतदान के बाद ही की जाएगी। जिला परिषद सदस्य के लिए नामांकन 8 से 13 अक्टूबर तक होंगे।

संपादकीय : सवालों का घेरा

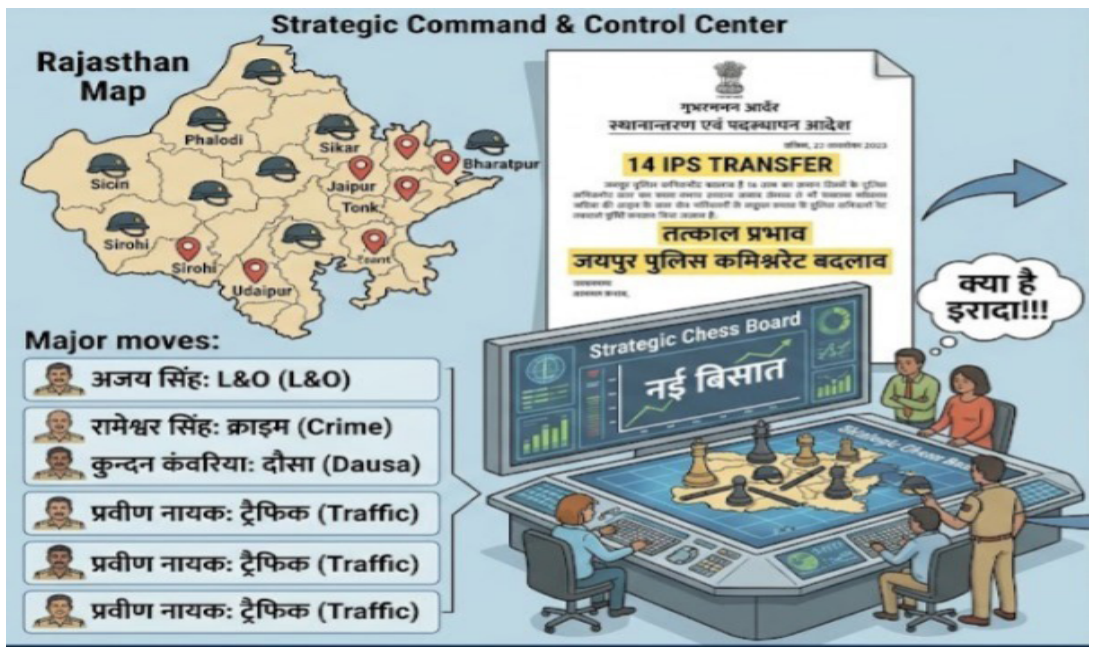
देश में मतदाता सूची को दुरुस्त और अद्यतन करने के उद्देश्य से शुरू किया गया विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर अब कई उलझनों और सवालों के घेरे में है। जिस प्रक्रिया का मकसद पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल करना और अपात्र नामों को हटाना है, वही आम नागरिकों के लिए परेशानी और चिंता का कारण बन गई है। मताधिकार लोकतंत्र की पहचान है और अगर बड़ी संख्या में नागरिकों का यही अधिकार छिन जाए, तो 'चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हाल ही में आयोग के भीतर मतभेदों को लेकर जिस तरह की खबरें सामने आई हैं, उससे उसकी निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता की साख भी दांव पर है। सड़क से लेकर अदालत तक में चुनाव आयोग से सवाल पूछे जा रहे हैं। इसी क्रम में बंबई उच्च न्यायालय ने बीते गुरुवार को कहा कि जब आयोग मतदाताओं के आचरण पर सवाल उठाता हैं, तो नागरिकों को भी यह पूछने का अधिकार है कि चौबीस साल बाद एसआइआर क्यों कराया जा रहा है ! लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का अर्थ केवल सत्ता का चयन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना भी है ऐसे में किसी पात्र नागरिक को तकनीकी कारणों का हवाला देकर मतदाता सूची से बाहर करना वैध रूप में उसके अस्तित्व को नकारने जैसा है। एसआइआर की प्रक्रिया में कई तरह की जटिलताएं हैं, जिनमें मतदाताओं के लिए पुराने रिकार्ड के आधार पर अपनी पहचान और पात्रता साबित करने की चुनौती प्रमुख है। देश भर में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हो सकते हैं, जिनके पास पुराने दस्तावेज उपलब्ध न हों। ग्रामीण क्षेत्रों, गरीब परिवारों, बुजुर्गों और प्रवासी मजदूरों के लिए इस तरह के जरूरी कागजात जुटाना आसान नहीं होता है। कई बार लोगों के नाम, पते और जन्मतिथि में मामूली अंतर भी उन्हें मतदाता सूची से हटाने का कारण बन जाता है। बंबई उच्च न्यायालय ने भी इस चिंता को रेखांकित करते हुए कहा है कि निर्वाचन आयोग का प्रयास ऐसी मतदाता सूची तैयार करना होना चाहिए, जिसमें अधिकतम पात्र मतदाता शामिल हों । इस उद्देश्य के लिए आयोग को हर तरह के उपाय करने चाहिए। मगर स्थिति इसके विपरीत नजर आती है, क्योंकि देश भर में अब तक तेरह करोड़ से अधिक लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए हैं। खबरों के मुताबिक, एसआइआर पर व्यापक चिंता और सवालों के बीच चुनाव आयोग अब सूची से बाहर हो गए लोगों की नए सिरे से तलाश शुरू करेगा । पुनरीक्षण में जो नाम स्थानांतरण, आवास पर नहीं मिलने, फार्म जमा न होने या अन्य तकनीकी कारणों से छूट गए हैं, उनका पता लगाकर उन्हें अपनी पात्रता साबित करने का फिर से मौका दिया जाएगा। मगर यह सवाल अब भी अपनी जगह कायम है कि क्या मतदाता सूची से बाहर किए गए सभी पात्र नागरिकों की बाली हो पाएगी ? पश्चिम बंगाल में मताधिकार से वंचित हुए लाखों लोगों की आपत्तियों पर सुनवाई के लिए न्यायालय के निर्देश पर विशेष प्राधिकरण गठित किए गए, जिनमें अब तक हुए निपटारों में नब्बे फीसद से अधिक मतदाताओं की सूची में बहाली हुई है। इससे सबक लेकर कायदे से बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए, क्योंकि वहां भी लाखों की संख्या में लोगों ने अपना मताधिकार खो दिया है। मगर चुनाव आयोग के स्तर पर फिलहाल ऐसी किसी पहल की संभावना नजर नहीं आ रही है ।

त्रासद उपेक्षा

अर्थव्यवस्था के आंकड़ों का हवाला देकर दिखाए जाने वाले विकास के सपने जब जमीनी हकीकत की कसौटी पर आंके जाते हैं, तब तस्वीर कई बार वही नहीं होती, जो बताई जाती है। जिस दौर में देश के दुनिया भर में चौथी अर्थव्यवस्था बन जाने के दावे किए जा रहे हैं, उसी समय ऐसी खबरें आईने की तरह सामने आ जाती हैं, जिनमें सबसे गरीब तबकों के बच्चे पेट भरने लायक खाना नहीं मिल पाने की वजह से कमजोर और बीमार होते हैं तथा इलाज के अभाव में दम तोड़ देते हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से मध्य प्रदेश के बालाघाट इलाके में लगातार आदिवासी बच्चों की मौत की खबरें आ रही हैं, लेकिन अब भी सरकार इसे गंभीरता से लेने को तैयार नहीं है। दरअसल, मई में ही वहां से बच्चों की मौत की खबरें आने लगी, उसके बाद भी सरकारी तंत्र में कोई फिक्र नहीं देखी गई। मगर जब बच्चों की मौत का सिलसिला लगातार जारी रहा और सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मरने वाले बच्चों की संख्या बत्तीस पहुंच गई, तो अब विपक्षी दल भी चिंता जताते हुए यह पूछ रहे हैं कि वहां सरकार कहां है! सवाल है कि क्या इतनी संख्या में बच्चों की मौत से विचलित होना सरकार को इसलिए जरूरी नहीं लगा कि वे बेहद गरीब और आदिवासी समुदाय से आते थे! वरना क्या कारण है कि आए दिन सरकार की ओर से नई स्वास्थ्य योजनाओं के तहत आम नागरिकों को मुफ्त इलाज की सुविधा मुहैया कराने का दावा तो किया जाता है, मगर दूसरी ओर सिर्फ उपचार के अभाव में बच्चों के मरने का सिलसिला जारी रहता है। इसी तरह, मुफ्त अनाज उपलब्ध करा कर कुपोषण दूर करने या किसी को भूखे पेट न मरने देने के दावे अब एक सामान्य सी बात है, लेकिन सच्चाई वह है कि देश में आज भी बड़ी संख्या में लोग कुपोषण की वजह से ही कई गंभीर बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। बालाघाट में जिन बच्चों की मौत की खबरें आईं, उसके पीछे दूषित पानी, कुपोषण और इलाज का अभाव जैसे कारण बताए गए हैं। क्या सरकार को कभी यह सोचने की जरूरत पड़ती है कि हर मोर्चे पर विकास के चमकते आंकड़ों के बरक्स गरीब आदिवासी परिवार और उनके बच्चे कुपोषण तथा बीमारी के दुश्चक्र में क्यों दम तोड़ रहे हैं?

आचार संहिता से ठीक पहले कई जिलों के एसपी बदले, क्या है इरादा!!!

कानून और 'व्यवस्था' की नई बिसात, 14 IPS अधिकारियों के तबादले, जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में कई बड़े बदलाव



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पंचायत चुनाव की घोषणा होते ही एक सूची सोशल मीडिया पर तैरने लगे जिससे पता चला कि आज ही 14 आईपीएस के भी तबादले किए गए हैं। चुनाव से पहले तबादले चर्चा का विषय बन गए। कई जिलों में एसपी बदल कर कानून और 'व्यवस्था' की नई बिसात बिछाई गई है। राज्य सरकार ने 14 भारतीय पुलिस सेवा (IPS) अधिकारियों के स्थानान्तरण एवं पदस्थापन के आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में कानून-व्यवस्था और क्राइम सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर बदलाव किए गए हैं।

मुख्य तबादले इस प्रकार हैं'

अजय सिंह (2009) ' अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (1), जयपुर से अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, कानून एवं व्यवस्था, जयपुर।

डॉ. रामेश्वर सिंह (2009) ' डीआईजी, एसीबी-प्रथम, जयपुर से अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, क्राइम, जयपुर।

विकास शर्मा (2010) ' डीआईजी कार्मिक, पुलिस मुख्यालय से डीआईजी एसएसबी, जयपुर।

डॉ. राजीव पचार (2010) ' अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था, जयपुर से पुलिस अधीक्षक, नियम, पुलिस मुख्यालय।

मनीष अग्रवाल (2010) ' डीसीपी क्राइम, जयपुर से एसपी, एससीआरबी, जयपुर।

संजीव नैन (2013) ' एसपी सीकर।

योगेश गोयल (2013) ' डीसीपी ट्रैफिक, जयपुर से डीसीपी क्राइम, जयपुर।

सतनाम सिंह (2015) ' एसपी फलौदी से एसपी एसओजी, जयपुर।

पीयूष दीक्षित (2016) ' एसपी दौसा से एसपी एसीबी, जयपुर।

पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ (2016) ' एसपी सिरोही से कमांडेंट, 7वीं बटालियन आरएसी, भरतपुर।

कुन्दन कंवरिया (2018) ' एसपी एसओजी, जयपुर से एसपी दौसा।

प्रवीण नायक नूनावत (2019) ' एसपी सीकर से डीसीपी ट्रैफिक, जयपुर।

अजेय सिंह राठौड़ (2022) ' कमांडेंट, 7वीं बटालियन आरएसी, भरतपुर से एसपी सिरोही।

आदित्य काकडे (2022) ' कमांडेंट, 9वीं बटालियन आरएसी, टोंक से एसपी फलौदी।

पंचायत चुनाव 2026: भाजपा ने संभागवार चुनाव संचालन समितियां घोषित कीं, उदयपुर की जिम्मेदारी राजेंद्र राठौड़ को

24 न्यूज अपडेट



जयपुर, 03 अक्टूबर। राजस्थान में पंचायत चुनाव 2026 की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी ने संभागीय चुनाव संचालन समितियों की घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देश पर जारी सूची में प्रदेश के विभिन्न संभागों के लिए वरिष्ठ नेताओं को चुनाव संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उदयपुर संभाग के लिए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। उनके साथ पूर्व सांसद एवं पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया और पूर्व जिलाध्यक्ष कोटा शहर हेमंत विजय को समिति में शामिल किया गया है। भाजपा की ओर से जारी सूची के अनुसार जयपुर संभाग की जिम्मेदारी ओंकार सिंह लखावत को दी गई है। उनके साथ राज्यसभा सदस्य एवं पूर्व राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अल्का गुर्जर और पूर्व विधायक जालौर शंकर सिंह राजपुरोहित समिति में हैं। जोधपुर संभाग में सी.आर. चौधरी को जिम्मेदारी दी गई है। समिति में प्रमोद सामर और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा चम्पालाल गेदर शामिल हैं। कोटा संभाग में मुकेश दाधीच के साथ मेघराज लोहिया और भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. महेंद्र कुमावत को जिम्मेदारी मिली है। बीकानेर संभाग की समिति में प्रसन्न चंद मेहता और कैलाश चौधरी को शामिल किया गया है, जबकि भरतपुर संभाग में राजेंद्र कुमार गहलोत और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। अजमेर संभाग की समिति में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, पूर्व सांसद देवजी भाई पटेल और पूर्व मंत्री लालचंद कटारिया शामिल हैं। भाजपा ने पंचायत चुनावों के लिए इन समितियों के जरिए संभाग स्तर पर चुनावी गतिविधियों के संचालन और संगठनात्मक समन्वय की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेताओं को सौंपी है। पार्टी के मुख्यालय प्रभारी एवं प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने समिति गठन संबंधी घोषणा जारी की।

तलवार से हमला कर मोबाइल लूटने वाले 3 आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 अक्टूबर। फलासिया थाना पुलिस ने छात्र पर तलवार से हमला कर मोबाइल लूटने के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को वारदात के महज 24 घंटे में गिरफ्तार किया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड लिया गया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार 30 सितंबर को एक छात्र अपने सहपाठी के साथ विद्यालय के पीछे मैदान में बैठकर पढ़ाई कर रहा था। दोपहर करीब 2 बजे बाइक पर सवार होकर आए तीन बदमाशों ने अनिल से मोबाइल छीन लिया। जितेंद्र ने अपना मोबाइल देने से इनकार करते हुए विरोध किया तो बदमाशों ने उस पर तलवार से हमला कर दिया। हमले में जितेंद्र की हथेली और जांघ पर गंभीर चोटें आईं। रिपोर्ट पर फलासिया थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खैरवाड़ा रजत बिश्नोई और पुलिस उप अधीक्षक वृत्त झाड़ोल विवेक सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी वेलाराम के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तीनों आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सुन्दर (22) निवासी कंथारिया थाना झाड़ोल, रणजीत (18 वर्ष 4 माह) निवासी कंथारिया और कमलेश उर्फ कन्हैयालाल (23) निवासी कंथारिया, झाड़ोल शामिल हैं। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में थानाधिकारी वेलाराम, हेमेन्द्र सउनि, कालू लाल सउनि, नारायण लाल सउनि, महेन्द्र सिंह कानि. 2761, जगदीश कानि. 1770, मोहन लाल कानि. 1669 और नारह सिंह कानि. चालक 1621 शामिल रहे। पुलिस के अनुसार कांस्टेबल महेन्द्र सिंह की विशेष भूमिका रही। आरोपियों से लूटे गए मोबाइल, वारदात में प्रयुक्त हथियार और अन्य तथ्यों को लेकर पूछताछ जारी है।

नाकाबंदी तोड़ भागे तस्कर, टायर फटा तो जंगल में छोड़ी क्रेटा, 130.820 किलो डोडा चूरा बरामद



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के बेकरिया थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए 130 किलो 820 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा बरामद किया है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही सफेद रंग की हुंडई क्रेटा कार भी जब्त की है। पुलिस को देखकर कार सवारों ने नाकाबंदी तोड़ते हुए वाहन को रॉन्ग साइड में तेज रफ्तार से भगाया, लेकिन पीछा करने के दौरान नागेश्वर ढाबे के पास कार का अगला टायर फट गया। इसके बाद चालक और उसके साथ बैठा दूसरा व्यक्ति कार छोड़कर पहाड़ी जंगल की ओर भाग निकला। थानाधिकारी रामावतार मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम शनिवार को बेकरिया थाने के सामने हाईवे पर लोकल एवं स्पेशल एक्ट के तहत नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान उदयपुर की ओर से आई क्रेटा कार नंबर RJ 49 CA 2593 के चालक ने पुलिस को देखकर अचानक वाहन मोड़ दिया और रॉन्ग साइड में तेज गति से भागने लगा। पुलिस टीम ने कार का पीछा किया। नागेश्वर ढाबे के पास कार का आगे का टायर फट गया, जिसके बाद दोनों सवार वाहन छोड़कर पास के पहाड़ी जंगल में भाग गए। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन इलाका दुर्गम होने और अंधेरे व झाड़ियों का फायदा मिलने से दोनों आरोपी पुलिस के हाथ नहीं लगे। इसके बाद पुलिस ने कार की नियमानुसार तलाशी ली। कार की पिछली सीटें हटाई हुई थीं और उनकी जगह काले रंग के 9 प्लास्टिक के कट्टे रखे मिले। कट्टों को खोलकर जांच करने पर उनमें कुल 130 किलो 820 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा मिला। पुलिस ने मादक पदार्थ और क्रेटा कार जब्त कर ली। मामले में अज्ञात तस्करों के खिलाफ बेकरिया थाने में धारा 8/ 15 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। फरार आरोपियों की पहचान और मादक पदार्थ की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय मुकुल शर्मा और वृत्ताधिकारी कोटड़ा डूंगरसिंह चुंडावत के सुपरविजन में थानाधिकारी रामावतार मीणा के नेतृत्व में की गई। टीम में सहायक उप निरीक्षक विजेश कुमार, सहायक उप निरीक्षक हीराराम, कांस्टेबल उम्मेदाराम, भीखाराम, हेमन्त, ललित और भरत शामिल रहे।

राज्य स्तरीय युवा संसद 30 से, राजस्थानभर से जुटेंगे विद्यार्थी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। सेंट पॉल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, उदयपुर में राज्य स्तरीय युवा संसद 2026 का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक किया जाएगा। स्कूल के प्रधानाचार्य फादर ए. जॉन बॉस्को के नेतृत्व में संगम के सहयोग से आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी भाग लेंगे। युवा संसद के दौरान विद्यार्थी संसदीय वाद-विवाद, समसामयिक विषयों पर चर्चा और विचार-विमर्श में हिस्सा लेकर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को संसदीय कार्यप्रणाली और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की व्यावहारिक समझ देने का प्रयास किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, प्रभावी संप्रेषण, तार्किक एवं आलोचनात्मक चिंतन को विकसित करना है। साथ ही युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें समसामयिक मुद्दों पर अपनी स्वतंत्र और तार्किक राय रखने के लिए मंच उपलब्ध कराया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाली युवा संसद विद्यार्थियों को देश और समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद करने, विचारों का आदान-प्रदान करने तथा संसदीय शैली में अपनी बात रखने का अवसर देगी। आयोजन के जरिए विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति समझ और जिम्मेदार नागरिक के रूप में सक्रिय भागीदारी की भावना विकसित करने पर जोर रहेगा।

2 करोड़ के रिश्वत कांड में एएसपी मुकेश सोनी और सज्जन सिंह को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। उदयपुर के बहुचर्चित 272 भूखंड प्रकरण से जुड़े दो करोड़ रुपए के कथित रिश्वत मामले में गिरफ्तार एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सोनी और कथित बिचौलिया सज्जन सिंह जैन को अदालत ने न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। एसीबी की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद दोनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से 15 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद एसीबी लगातार पूछताछ कर रही थी। जांच एजेंसी ने रिमांड के दौरान आरोपियों से रिश्वत की कथित डील, रकम की मांग, 272 भूखंड प्रकरण में जांच और उससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका को लेकर पूछताछ की। इससे पहले अदालत ने जांच के लिए पुलिस रिमांड भी बढ़ाई थी। एसीबी के अनुसार, 272 भूखंड प्रकरण में राहत दिलाने के नाम पर दो करोड़ रुपए की रिश्वत मांगे जाने की शिकायत मिली थी। आरोप है कि प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों को राहत दिलाने, अन्य मामलों में आरोपी नहीं बनाने और गिरफ्तारी के दौरान मिले कुछ दस्तावेज वापस लौटाने के बदले रकम की मांग की गई। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी ने ट्रैप की कार्रवाई की। 26 सितंबर को कथित बिचौलिया सज्जन सिंह जैन को परिवादी से दो करोड़ रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया।



इसके बाद जांच में भूमिका सामने आने पर 27 सितंबर को एएसपी मुकेश कुमार सोनी को बालोतरा स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया गया और बाद में गिरफ्तार किया गया।

2 करोड़ में 4 लाख असली, बाकी डमी नोट

ट्रैप कार्रवाई में इस्तेमाल की गई रकम को लेकर भी मामला खासा चर्चित रहा। एसीबी के मुताबिक, दो करोड़ रुपए की रकम में 4 लाख रुपए असली भारतीय मुद्रा थी, जबकि करीब 1.96 करोड़ रुपए डमी करेंसी थी। इसी रकम के जरिए ट्रैप की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। एसीबी इंटेलिजेंस यूनिट उदयपुर की टीम ने डीएसपी डॉ. सोनू शेखावत के नेतृत्व में कार्रवाई की थी। कार्रवाई की निगरानी डीआईजी डॉ. रामेश्वर सिंह और एएसपी गोपालस्वरूप मेवाड़ा के निर्देशन में की गई थी।

272 भूखंड प्रकरण से जुड़ा है पूरा मामला

रिश्वत कांड की जड़ उदयपुर नगर निगम के 272 भूखंडों से जुड़े प्रकरण संख्या 97/2022 में है। इस मामले की जांच एसओजी कर रही थी। एसीबी के अनुसार, इसी जांच में राहत दिलाने के नाम पर कथित तौर पर दो करोड़ रुपए की मांग की गई। मामले में आरोप यह भी है कि संबंधित लोगों को आगे के मामलों में आरोपी नहीं बनाने और कार्रवाई के दौरान मिले ऐसे दस्तावेज लौटाने के लिए रकम मांगी गई, जिन्हें कथित तौर पर आधिकारिक जब्ती रिकॉर्ड में शामिल नहीं किया गया था।

रिमांड के दौरान एसीबी ने कई बिंदुओं पर जुटाए सुराग

रिमांड के दौरान एसीबी ने आरोपियों से पूछताछ के साथ घटनाक्रम से जुड़े सीसीटीवी फुटेज जुटाने और घटनास्थल का मौका मुआयना भी किया। जांच एजेंसी ने अदालत में यह भी कहा था कि मामले में कुछ महत्वपूर्ण तथ्य सामने आना बाकी हैं और अन्य लोगों की संभावित भूमिका की जांच की जानी है। जांच अब सिर्फ एएसपी और कथित बिचौलिये तक सीमित नहीं दिखाई दे रही। एसओजी के रीडर जसवंत राव की भूमिका भी एसीबी की जांच के दायरे में बताई जा रही है। रिपोर्टों के अनुसार वह 26 सितंबर के बाद से कार्यालय से अनुपस्थित है और उसका मोबाइल फोन बंद बताया गया है। एसीबी उसकी तलाश कर रही है। जांच में कथित बातचीत की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आने की रिपोर्ट भी आई है, जिसमें दो करोड़ रुपए की रकम में से एक करोड़ रुपए ऊपर तक पहुंचाने की बात किए जाने का दावा किया गया है। हालांकि एसीबी के जांच अधिकारी ने ऐसी रिकॉर्डिंग मिलने की पुष्टि नहीं की है और कहा है कि जांच जारी है। एसीबी आरोपी मुकेश सोनी के मोबाइल फोन की भी जांच कर रही है। रिपोर्टों के मुताबिक मोबाइल का पासवर्ड हासिल करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। जांच एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कथित रिश्वत प्रकरण में और कौन-कौन लोग जुड़े हो सकते हैं।

रास्ता रोककर युवक से मारपीट, दो आरोपियों के खिलाफ केस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। फलासिया थाना क्षेत्र के आमलिया गांव में रास्ता रोककर युवक से मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने 17 वर्षीय साहिल पिता रमेश ननामा की रिपोर्ट पर राजू पिता प्रभुलाल गमार और कन्हैयालाल पिता नाथूलाल गमार, निवासी आमलिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। आरोप है कि दोनों ने साहिल का रास्ता रोककर उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2), 126(2) और 3(5) में मामला दर्ज किया है। जांच सउनि हेमेन्द्र कर रहे हैं।

बाइक की टक्कर से घायल बुजुर्ग की मौत, चालक पर केस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। टीडी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल बुजुर्ग की उपचार के दौरान मौत हो गई। कालू मीणा, निवासी जावर फला वाड़ा ने पुलिस को बताया कि उनके पिता शंकरलाल पिता सवाजी 1 अक्टूबर की रात टीडी बस स्टैंड से पैदल घर जा रहे थे। इसी दौरान पावर हाउस टीडी के पास पीछे से तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर घायल शंकरलाल की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मोटरसाइकिल चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281 और 106(1) में मामला दर्ज किया है। जांच सउनि दिनेश कुमार कर रहे हैं।

78 वर्षीय बुजुर्ग से मारपीट, संपत्ति नुकसान का आरोप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र के विनायक नगर में 78 वर्षीय बुजुर्ग से मारपीट और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज हुआ है। संपतलाल तापड़िया, निवासी विनायक नगर ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि मीना टांक पत्नी गोवर्धनलाल टांक, निवासी ज्ञानगढ़ बिल्डिंग, विनायक नगर ने उनके साथ मारपीट की और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने प्रकरण संख्या 555/2026 दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच उपनिरीक्षक मीना कुमारी कर रही हैं।

नशे में मारपीट, पिंटू उर्फ प्रवीण सहित तीन पर केस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। खेरवाड़ा थाना क्षेत्र के परबिला फला लिम्बडिया में शराब के नशे में मारपीट करने का मामला सामने आया है। बशीलाल पिता धुलाजी मेघवाल, निवासी परबिला फला लिम्बडिया ने रिपोर्ट दी कि पिंटू उर्फ प्रवीण पिता चम्पालाल मेघवाल सहित दो अन्य आरोपियों ने शराब के नशे में उसके साथ मारपीट की। घटना 21 सितंबर की शाम करीब 5 बजे की बताई गई है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 126(2), 115(2) और 3(5) में प्रकरण दर्ज किया है। जांच हेड कांस्टेबल दिग्विजय सिंह कर रहे हैं।

तेज रफ्तार कार ने युवक को मारी टक्कर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। खेरवाड़ा सीनियर सेकेंडरी स्कूल गेट के सामने तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक के घायल होने का मामला दर्ज हुआ है। निर्मला देवी पत्नी स्वर्गीय महेन्द्र कुमार मीणा, निवासी खानमीन ने रिपोर्ट दी कि 10 सितंबर को करीब 1:30 बजे एक शिफ्ट कार का चालक वाहन को तेज गति, गफलत और लापरवाही से चलाते हुए आया और उनके पुत्र को टक्कर मार दी। पुलिस ने कार नंबर GJ 09 BF 9046 के चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281 और 125(ए) में केस दर्ज किया है। जांच सउनि वाहिद हुसैन कर रहे हैं।

सेलिब्रेशन मॉल से मोटरसाइकिल चोरी

उदयपुर, 03 अक्टूबर। सुखेर थाना क्षेत्र स्थित सेलिब्रेशन मॉल से मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला दर्ज हुआ है। तरुणपुरी पिता मंगलपुरी गोसाई, निवासी माधवनगर रेलवे स्टेशन, जयपुर, हाल एमबी मेगा आवास नाकोड़ा नगर, प्रतापनगर ने रिपोर्ट दी कि 21 सितंबर की रात अज्ञात व्यक्ति उनकी मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया। पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) में मामला दर्ज किया है। जांच महिला हेड कांस्टेबल संपत कर रही हैं।

सोशल मीडिया पर अधिवक्ताओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। सविना थाना क्षेत्र के खेड़ा सर्कल में सोशल मीडिया पर अधिवक्ताओं के खिलाफ कथित अशोभनीय और आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला दर्ज हुआ है। बार एसोसिएशन उदयपुर के अध्यक्ष जितेन्द्र जैन की रिपोर्ट पर पुलिस ने चन्दनसिंह पिता केसरसिंह, उम्र 23 वर्ष, निवासी खेड़ा सर्कल के खिलाफ बीएनएस की धारा 353(2) में प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक रविन्द्र पाटीदार कर रहे हैं।

किराए पर लिया ट्रक खुर्द-बुर्द करने का आरोप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। गोवर्धनविलास थाना क्षेत्र के बलीचा में किराए पर लिया ट्रक खुर्द-बुर्द करने का मामला सामने आया है। श्रेनिक चम्पावत, निवासी एकलिंग कॉलोनी, हिरणमगरी सेक्टर-3 ने रिपोर्ट दी कि आरोपियों ने उनसे ट्रक किराए पर लिया और बाद में उसे खुर्द-बुर्द कर दिया। मामले में झाला जनकसिंह पिता अजितसिंह, निवासी सेक्टर-9, गांधीधाम, जिला कच्छ-भुज, गुजरात सहित अन्य को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 316(2) में प्रकरण दर्ज किया है। जांच सउनि गोविंदसिंह कर रहे हैं।

असली चांदी का कड़ा ले गए, बदले में थमा दिया नकली

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। कानोड़ के ब्रह्मपुरी स्थित वंदना शोरूम के पास चांदी के कड़े की अदला-बदली कर ठगी करने का मामला सामने आया है। तुलसीराम पिता लालूराम मीणा, निवासी पीपलवास खेड़ी कानोड़ ने रिपोर्ट दी कि उनके दादाजी के हाथ में पहना हुआ असली चांदी का कड़ा अज्ञात व्यक्ति ले गया और उसके बदले नकली कड़ा देकर चला गया। घटना 1 अक्टूबर दोपहर करीब 2:45 बजे की है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4) में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच हेड कांस्टेबल नरेश कुमार कर रहे हैं।

हिरणमगरी में 1.82 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी

उदयपुर, 03 अक्टूबर। हिरणमगरी थाना क्षेत्र के डोरेनगर सेक्टर-3 निवासी लव शर्मा पिता प्रकाशचंद्र शर्मा, उम्र 40 वर्ष, के साथ करीब 1.82 लाख रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) और 319(2) में प्रकरण दर्ज किया है। घटना 30 सितंबर की रात करीब 10:51 बजे की बताई गई है। मामले की जांच सउनि भागीरथ कर रहे हैं।

झामेश्वर महादेव मंदिर से बाइक चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। गोगुंदा थाना क्षेत्र के झामेश्वर महादेव मंदिर परिसर से मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। संजय पिता मांगीलाल पालिवाल, उम्र 39 वर्ष, निवासी ओबरा खुर्द ने रिपोर्ट दी कि 28 सितंबर की शाम करीब 5 बजे अज्ञात चोर उनकी मोटरसाइकिल चुराकर ले गया। पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) में प्रकरण दर्ज किया है। जांच सउनि कालूलाल कर रहे हैं।

रायता से पानी का टैंकर चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। नाई थाना क्षेत्र के रायता में अज्ञात बदमाश पानी का टैंकर चोरी कर ले गए। लक्ष्मीनारायण आमेटा, उम्र 60 वर्ष, निवासी व्हाइट गोल्ड अपार्टमेंट, महाप्रज्ञ विहार, राजसमंद ने रिपोर्ट दी कि 28 सितंबर की रात अज्ञात व्यक्ति उनका पानी का टैंकर चुराकर ले गया। पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) में मामला दर्ज किया है। जांच सउनि दिनेशकुमार कर रहे हैं।

स्कूल के पास तंबाकू उत्पाद बेचते दुकानदार पर केस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। कोटड़ा थाना क्षेत्र में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मामेर के 100 मीटर दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार सामलिया पिता नाणिया गमार, उम्र 55 वर्ष, निवासी मामेर, दुकान पर तंबाकू उत्पाद रखकर उनका प्रदर्शन और बिक्री कर रहा था। पुलिस ने राजस्थान धूम्रपान प्रतिषेध एवं धूम्रपायी अधिनियम की धारा 9/11 में प्रकरण दर्ज किया है। कार्रवाई सउनि दिनेशकुमार द्वारा की गई।

6 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ आरोपी पकड़ा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। पानरवा थाना पुलिस ने गुराड़ पुल के पास कार्रवाई करते हुए बिना वैध दस्तावेज के देशी हथकड़ महुआ शराब ले जा रहे व्यक्ति को पकड़ा। पुलिस के अनुसार गुलाबचंद पिता भेरुलाल गरासिया, निवासी कोट, थाना पानरवा, के कब्जे से 6 लीटर अवैध देशी हथकड़ महुआ शराब बरामद हुई। पुलिस ने राजस्थान आबकारी अधिनियम की धारा 16/54 में मामला दर्ज किया। कार्रवाई की जांच सउनि नंदलाल कर रहे हैं।

चिकलवास मेले में गए युवक की बाइक चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। बड़गांव थाना क्षेत्र के चिकलवास मेले में बाइक चोरी हो गई। लोगर डांगी पिता वाला डांगी, उम्र 47 वर्ष, निवासी खालियों की भागल, लोयरा ने बताया कि वह 13 सितंबर को चिकलवास मेले में गया था। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति उसकी बाइक चोरी कर ले गया। पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) में केस दर्ज किया है। जांच हेडकांस्टेबल रामप्रसाद कर रहे हैं।

महिला से मारपीट और गाली-गलौज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। बड़गांव थाना क्षेत्र के जोशीजी का गुड़ा, मदार में महिला से मारपीट और गाली-गलौज का मामला दर्ज हुआ है। मीनाक्षी चौबीसा पत्नी भगवतीलाल चौबीसा, उम्र 42 वर्ष ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और गाली-गलौज की। पुलिस ने निलेश चौबीसा पिता ओमप्रकाश निवासी जोशीजी का गुड़ा, बड़गांव सहित तीन अन्य के खिलाफ बीएनएस की धारा 126(2) और 115(2) में प्रकरण दर्ज किया है। जांच सउनि सज्जन कर रहे हैं।

पत्नी बिना बताए घर से निकली, पति ने दर्ज कराया मामला

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। बड़गांव थाना क्षेत्र के रामगीरी में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के बिना बताए घर से चले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। डुलाराम गमेती पिता गेहराजी गमेती, उम्र 47 वर्ष, निवासी नेतावतों की भागल, लोसिंग, हाल रामगीरी ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी 7 सितंबर को घर से बिना बताए कहीं चली गई। पुलिस ने बीएनएस की धारा 140(3) में प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की है। जांच सउनि नरेश कुमार कर रहे हैं।

शादी का झांसा देकर पैसे ऐंठने और संबंध बनाने का आरोप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। बड़गांव थाना क्षेत्र के स्पेक्ट्रम बरोड़िया में एक महिला ने शादी का झांसा देकर पैसे ऐंठने और शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है। महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने संदीप कुमार के खिलाफ बीएनएस की धारा 69 और 318(2) में प्रकरण दर्ज किया है। रिपोर्ट के अनुसार आरोपी ने शादी का झांसा देकर महिला से पैसे लिए और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। मामले की जांच उनि हितेष कुमार यादव कर रहे हैं।

रास्ता रोककर पति-पत्नी और देवर को बनाया बंधक, मारपीट का आरोप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। टीडी थाना क्षेत्र के बारा फला लखमात में महिला, उसके पति और देवर को रास्ते में रोककर घर में बंधक बनाने और मारपीट करने का मामला दर्ज हुआ है। कमला पत्नी प्रकाश मीणा की रिपोर्ट पर पुलिस ने दीपक पिता नाना सहित 8 अन्य आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। आरोप है कि पीड़िता अपने पति और देवर के साथ घर जा रही थी, तभी आरोपियों ने उन्हें रास्ते में रोक लिया और घर ले जाकर बंधक बनाकर मारपीट की। पुलिस ने बीएनएस की धारा 126(2), 115(2), 3(5) और 127(2) में मामला दर्ज किया है। जांच सउनि जितेन्द्र कर रहे हैं।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, चालक पर केस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के भलुन मोड़ पर सड़क हादसे में बाइक सवार के घायल होने का मामला सामने आया है। रमेश पिता मंगला मीणा, निवासी ढेलाणा ने रिपोर्ट दी कि उनका पुत्र बाइक से कल्याणपुर आ रहा था। इसी दौरान अज्ञात कार चालक ने बाइक को टक्कर मार दी। पुलिस ने कार नंबर RJ 27 CN 9161 के चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281 और 125(ए) में मामला दर्ज किया है। जांच सउनि नगीनराम कर रहे हैं।

घर के ताले तोड़कर चोरी, प्रतापनगर थाने में केस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र के ढीकली में चोरों ने एक मकान के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सुभाषचंद्र पिता जमनलाल शर्मा, निवासी नाकोड़ा विहार, ढीकली वाड़ा ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि अज्ञात बदमाशों ने उनके घर के ताले तोड़कर चोरी की। पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं में प्रकरण संख्या 553/2026 दर्ज किया है। मामले की जांच हेडकांस्टेबल प्रतापसिंह कर रहे हैं।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और धमकी का आरोप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में एक महिला ने ऋषभ नाम के व्यक्ति पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और बाद में धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण संख्या 554/2026 दर्ज किया है। मामले में बीएनएस की धारा 69 और 351(2) के तहत कार्रवाई की गई है। प्रकरण की जांच सुश्री मीना कर रही हैं।

चिटफंड के नाम पर करोड़ों की ठगी के आरोपी दंपती बेंगलूरू से गिरफ्तार, विदेश भागने की फिराक में थे, प्रतापनगर में 120 से ज्यादा निवेशकों को लगाया चूना



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अक्टूबर। उदयपुर के प्रतापनगर क्षेत्र में चिटफंड के जरिए करीब 120 लोगों से पौने तीन से सवा तीन करोड़ रुपए का चूना लगाने के आरोप में पुलिस ने महिला जया उदानी और उसके पति प्रदीप उदानी को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया है। दोनों को कोर्ट में पेश कर सात दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस जांच में महिला के घर से 16 रजिस्टर भी बरामद किए गए हैं, जिनमें निवेश और लेन-देन से जुड़ी जानकारी होने की बात सामने आई है।

बताया जा रहा है कि जया उदानी व उसका पति प्रतीप उदानी पिछले करीब 15 से 20 साल से चिटफंड का काम कर रही थी। प्रतापनगर इलाके में उसका ब्यूटी पार्लर भी था। वह छोटी-छोटी बचत करने वाली महिलाओं को अधिक ब्याज का भरोसा देकर चिटफंड में रकम लगाने के लिए तैयार करती थी। लंबे समय से लेन-देन चलने के कारण लोगों का उस पर भरोसा बना हुआ था। जया उदानी के संपर्क में बड़ी संख्या में महिलाएं थीं। इनमें कई महिलाएं घरेलू कामकाज करने वाली थीं, जिन्होंने अपनी बचत की रकम उसके पास निवेश की। कुछ लोगों ने ब्याज पर रकम लेकर भी निवेश किया। सिंधी समाज के बड़ी संख्या में लोगों के साथ अन्य समुदायों के लोगों ने भी उस पर भरोसा किया। शुरुआत में निवेशकों को ब्याज और रकम लौटाने का भरोसा मिलता रहा। बाद में निवेश की रकम वापस लेने का समय आया तो भुगतान को लेकर कथित तौर पर टालमटोल शुरू हो गई। कई लोगों ने अपने परिवार से छिपाकर भी रकम लगाने की बात कही। लगातार भुगतान नहीं होने पर निवेशकों को संदेह हुआ और उन्होंने एक-दूसरे से संपर्क करना शुरू किया।

मकान बेचकर गायब हो गए

जब लोगों ने अपनी रकम वापस मांगनी शुरू की तो जया उदानी ने पैसे नहीं होने की बात कही और बाद में भुगतान करने का भरोसा दिया। इसके बाद उसने अपना मकान बेच दिया और उदयपुर पति पत्नी चंपत हो गए। इस दौरान उसकी बेटी के जर्मनी चली गई जिसकी शाही शादी के चर्चे भी खूब रहे। मामले में 29 मई 2026 को प्रतापनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसके बाद 30 मई को लुकआउट सर्कुलर जारी कराया गया। मामले की पैरवी अधिवक्ता करण वाधवा और अधिवक्ता सलोनी वीरवानी ने की। शुरुआती जांच एसआई चंदन सिंह को दी गई थी। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस अधिकारियों के समक्ष कार्रवाई की मांग रखी। इसके बाद एसपी और आईजी स्तर पर भी मामला उठाया गया। कार्रवाई नहीं होने पर बाद में राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। हाईकोर्ट ने फेयर ट्रायल और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने संबंधी आदेश जारी किया, जिसके बाद जांच में तेजी आई और जांच अधिकारी भी बदला गया।

आईपी एड्रेस और ग्रुप से मिला सुराग

पुलिस के अनुसार आरोपी दंपती उदयपुर से निकलने के बाद बेंगलुरु में किराए के मकान में रह रहे थे। आरोपियों की तलाश के दौरान उनके ऑनलाइन संपर्क और आईपी एड्रेस से जुड़े सुरागों के आधार पर पुलिस उन तक पहुंची। इसके बाद दोनों को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने कुछ समय पहले एक ग्रुप भी छोड़ दिया था। इसी ग्रुप से मिली जानकारी और अन्य तकनीकी सुरागों के आधार पर पुलिस को उनके ठिकाने का पता चला।

31 मई को घर से मिले 16 रजिस्टर

मामले की जांच में पुलिस ने 31 मई को जया उदानी के घर से 16 रजिस्टर बरामद किए थे। इनमें निवेशकों से रकम लेने और चिटफंड से संबंधित लेन-देन का रिकॉर्ड होने की बात सामने आई है। पुलिस अब इन रजिस्टरों की जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कुल कितने लोगों से कितनी रकम ली गई और रकम का इस्तेमाल या ट्रांसफर किस तरह किया गया। फिलहाल मामले में करीब 120 निवेशक सामने आने की बात कही जा रही है और शिकायतकर्ताओं के अनुसार कुल रकम पौने तीन करोड़ से सवा तीन करोड़ रुपए के बीच हो सकती है। पुलिस की जांच और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही ठगी की वास्तविक रकम और प्रभावित लोगों की संख्या स्पष्ट हो सकेगी। पूरे मामले में आईजी गौरव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन व एसपी अमृता दुहन के निर्देशन में थानाधिकारी अजयसिंह राव की टीम ने यह सफलता प्राप्त की।

त्योहारों में आसमानी सफर हुआ हवा-हवाई, लूट सके तो लूट वाला हाल!!



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 03 अक्टूबर। त्योहारी सीजन याने कि हवाई यात्रा में लूटने की खुली छूट। कोई सरकारी फरमान काम नहीं करता, कोई चुनावी वादा काम नहीं करता। एकदम खुल्ली लूट है, कीमतों पर कोई नियंत्रण नहीं। जबकि होना यह चाहिए कि सब त्योहार अपने घर जाकर मना सकें बिना जेब कटे, ऐसी सरकारी व्यवस्था की जानी चाहिए। क्योंकि हमने अपना वोट देकर जन प्रतिनिधि इसलिए नहीं चुने हैं कि वे आंख मूंदकर बैठे रहें। अब दीपावली पर हवाई सफर का बजट बिगड़ता नजर आ रहा है। नवरात्रि से दीपावली के बीच फ्लाइट्स की मांग बढ़ने के साथ टिकटों के दाम भी तेजी से ऊपर जा रहे हैं। जयपुर से दूसरे शहरों के लिए उड़ान भरना हो या मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहरों से दीपावली पर जयपुर पहुंचना हो, कई रूट्स पर यात्रियों को सामान्य दिनों के मुकाबले काफी ज्यादा रकम चुकानी पड़ रही है। त्योहारी तारीखों में टिकट की कीमतों का अंतर भी खासा बड़ा है। एक ही रूट पर अलग-अलग फ्लाइट और समय चुनने से किराए में हजारों रुपए का फर्क पड़ रहा है। कुछ सेक्टर में टिकट की कीमत 20 हजार रुपए के पार पहुंच चुकी है।

बेंगलुरु से जयपुर की उड़ान सबसे ज्यादा जेब पर भारी

धनतेरस के आसपास बेंगलुरु से जयपुर आने वाले यात्रियों के लिए हवाई सफर करीब 27 हजार रुपए तक पहुंच रहा है। इस रूट पर सात फ्लाइट्स उपलब्ध होने के बावजूद ज्यादा मांग का असर किराए पर दिखाई दे रहा है। यानी विकल्प ज्यादा होने के बाद भी यात्रियों को सस्ता टिकट मिलना तय नहीं है। मुंबई से जयपुर के बीच 14 फ्लाइट्स उपलब्ध हैं, लेकिन दीपावली के आसपास इस रूट पर भी किराए में उछाल बना हुआ है।

दक्षिण भारत से जयपुर आने में बढ़ा खर्च

त्योहारी सीजन में दक्षिण भारत के शहरों से जयपुर पहुंचना भी महंगा पड़ रहा है। हैदराबाद-जयपुर सेक्टर में टिकट 14,728 से 16,775 रुपए तक पहुंच गया है। चेन्नई से जयपुर के लिए उपलब्ध एक फ्लाइट का किराया करीब 24,211 रुपए बताया जा रहा है। अहमदाबाद से जयपुर आने वालों के लिए 6 नवंबर को टिकट का किराया करीब 13,800 से 16,665 रुपए तक है। वहीं कोलकाता से जयपुर पहुंचने के लिए यात्रियों को 9,095 से 12,455 रुपए तक खर्च करना पड़ सकता है। गोवा-जयपुर रूट पर उपलब्ध एक फ्लाइट का किराया करीब 11,916 रुपए है। जयपुर से अहमदाबाद और कोलकाता जाने वालों को भी त्योहारी भीड़ का असर टिकट पर दिखाई दे रहा है। जयपुर-अहमदाबाद सेक्टर में इंडिगो की चार फ्लाइट्स और जयपुर-कोलकाता रूट पर तीन फ्लाइट्स उपलब्ध हैं। इसके बावजूद अलग-अलग उड़ानों के किराए में बड़ा अंतर बना हुआ है।

पुलिस लाइन में आईसीजेएस, ई-साक्ष्य और ई-समन पर कार्यशाला



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 अक्टूबर। डिजिटल पुलिसिंग को मजबूत करने और पुलिस कार्रवाई में आधुनिक तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल को लेकर रिजर्व पुलिस लाइन, उदयपुर के कॉन्फ्रेंस हॉल में आईसीजेएस, ई-साक्ष्य और ई-समन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में हुई। गृह मंत्रालय, नई दिल्ली के आईटी विभाग के वरिष्ठ निदेशक दीपक कुमार मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। कार्यशाला में अधिकारियों को ई-साक्ष्य के जरिए डिजिटल साक्ष्यों के संग्रह, उपयोग और कानूनी प्रक्रिया तथा ई-समन प्रणाली के तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई। साथ ही आईसीजेएस के माध्यम से विभिन्न आपराधिक न्याय संस्थाओं के बीच सूचनाओं के बेहतर समन्वय और त्वरित कार्रवाई पर चर्चा हुई। अधिकारियों को स्मार्ट पुलिसिंग के जरिए जांच प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए डिजिटल प्रणालियों के इस्तेमाल की जानकारी दी गई। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आईसीजेएस, ई-साक्ष्य और ई-समन जैसी डिजिटल व्यवस्थाओं का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पुलिस कार्रवाई में तेजी आने के साथ त्वरित न्याय की प्रक्रिया को भी गति मिल सके। कार्यशाला में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय मुकुल शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर लखमन राय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाड़ा रजत बिश्नोई और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला अनुसंधान प्रकोष्ठ मंजीत सिंह सहित जिले के वृत्ताधिकारी एवं थानाधिकारी मौजूद रहे।

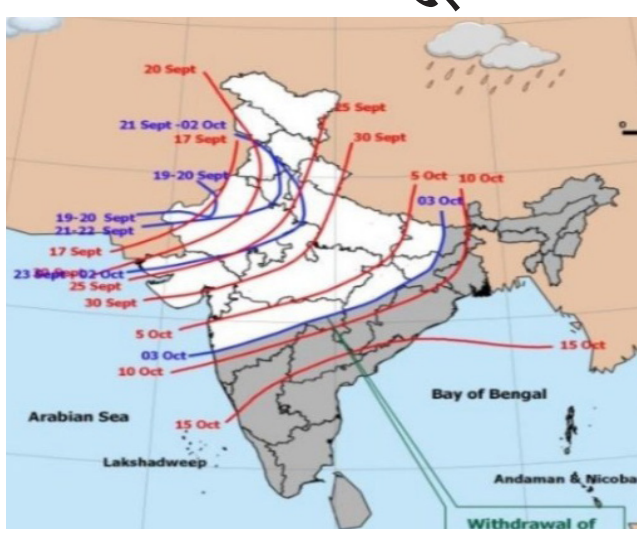
भाजपा ने लव व्यास को 6 साल के लिए निष्कासित किया, संगठन के खिलाफ चुनाव लड़ने का आरोप

24 न्यूज अपडेट



सलूंबर, 3 अक्टूबर। सलूंबर नगर परिषद चुनाव में पार्टी संगठन के निर्देशों के खिलाफ गतिविधियों के आरोप में भाजपा ने पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष डॉ. लव व्यास को छह वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर जोशी की ओर से जारी निष्कासन पत्र में कहा गया है कि व्यास ने पार्टी के अधिकृत उपसभापति प्रत्याशी के खिलाफ कांग्रेस के समर्थन से निर्दलीय फॉर्म भरा और सभापति चुनाव में संगठन के निर्देशों के विपरीत कांग्रेस का समर्थन किया। पार्टी के पत्र के अनुसार, इन गतिविधियों को अनुशासनहीनता मानते हुए प्रदेश संगठन के निर्देश पर भाजपा संभाग कोर कमेटी और जिला कोर कमेटी से चर्चा के बाद यह कार्रवाई की गई है। गौरतलब है कि सलूंबर नगर परिषद के उपसभापति चुनाव में डॉ. लव व्यास निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीते थे। उन्हें 13 वोट मिले थे, जबकि भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी अखिलेश बाहेती को 12 वोट मिले।

राजस्थान से मानसून विदा, बारिश 22% कम; अक्टूबर में दिन तपे, रातें ठंडी



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान से मानसून शनिवार को विदा हो गया। इस बार मानसून की विदाई निर्धारित समय से करीब तीन दिन बाद हुई। प्रदेश में 1 जून से 30 सितंबर तक औसतन 435.6 मिमी बारिश होती है, लेकिन इस सीजन में 340.2 मिमी बारिश ही दर्ज हुई। यानी प्रदेश में सामान्य से करीब 22 फीसदी कम बारिश हुई। मानसून की विदाई के साथ अक्टूबर में मौसम ने दो अलग रंग दिखाने शुरू कर दिए हैं। दिन में तेज गर्मी पड़ रही है और पश्चिमी राजस्थान के कई इलाकों में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। शुक्रवार को पिलानी में अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री और श्रीगंगानगर में 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दिन में गर्मी, रात में बढ़ी ठंडक

प्रदेश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में रात के तापमान में गिरावट शुरू हो गई है। सीकर में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अजमेर, भीलवाड़ा, कोटा और उदयपुर में भी रात का तापमान सामान्य से नीचे रहा। सीकर, भीलवाड़ा, उदयपुर और नागौर में रात के समय ठंडक बढ़ने लगी है।

अगले सात दिन मौसम रहेगा शुष्क

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार शनिवार से प्रदेश में मौसम मुख्य रूप से साफ और शुष्क रहने की संभावना है। अगले एक सप्ताह बारिश के आसार नहीं हैं। इस दौरान दिन का तापमान अधिकांश शहरों में 30 से 40 डिग्री के बीच और रात का तापमान 18 से 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

जैन मंदिर में धार्मिक आयोजन, साहित्य पर 50 फीसदी छूट; दश लक्षण पर्व के प्रतिभागी सम्मानित



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 अक्टूबर। अशोक नगर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास के तहत धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। मुनि अरहसागर महाराज और मुनि सुहित सागर महाराज के सान्निध्य में धर्मसभा हुई, जिसमें श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। चातुर्मास समिति अध्यक्ष महेंद्र टाया और उपाध्यक्ष प्रमोद ठोलिया ने बताया कि जैन साहित्य विक्रय केंद्र पर साहित्य 50 प्रतिशत छूट पर उपलब्ध कराया गया। आयोजन में नरेंद्र टाया, जगदीश जैन, जिनेंद्र सेठ और प्रणीत का सहयोग रहा। श्री पारसनाथ नवयुवक मंडल अध्यक्ष पंकज ठाकुरिया के अनुसार दश लक्षण पर्व के धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले पंकज ठाकुरिया, राजेश गंगवाल, मनोज, हेमंत बोरा, अभिषेक जैन, चंद्रेश जैन, डॉ. गौरव जैन, उजाला ठाकुरिया, शालू जैन, नेहा जैन, जिनेंद्र गंगावत, अनिल मेहता, अर्जुन पटवारी, सर्विस जैन, इंदिरा, कल्पना गंगावत, सरोज बोहरा, संगीता, मंजू शाह, निर्मल, विद्या, सीमा कुमावत, साल्टी टायर और भारती सहित अन्य प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। मीडिया प्रभारी रमेश वैद्य ने बताया कि प्रवचन में मुनिश्री ने 16 कारण भावनाओं और विनय संपन्नता का महत्व समझाया। वहीं महामंत्री प्रकाश अखावत के अनुसार बलीचा स्थित चलती-फिरती गौसेवा एवं ध्यानोदय तीर्थ क्षेत्र की गौशाला में गौसेवा कर जीवदया का संदेश दिया गया।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।